भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.02.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 794 का उत्तर

दिलदारनगर से मां मुंडेश्वरी धाम तक नई रेल लाइन का निर्माण

794. श्री सुधाकर सिंह:
श्री मनोज कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रेल बजट 2024-25 में दिलदारनगर जंक्शन-भभुआ रोड नई रेलवे लाइन (लगभग 35 किलोमीटर, अनुमानित लागत 800 करोड़ रुपए) परियोजना को स्वीकृति दी है;

(ख) सर्वेक्षण के निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है और उन निष्कर्षों के आधार पर सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का ब्यौरा क्या है और परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) परियोजना का कार्य शुरू होने में देरी के कारण क्या हैं;

(घ) यदि सर्वेक्षण किया गया था, तो संबंधित रेलवे लाइन के निर्माण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), लागत अनुमान और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में क्या कोई प्रगति हुई है;

(ङ) यदि पूर्व में सर्वेक्षण नहीं किया गया था, तो क्या वित्त वर्ष 2025-26 में सर्वेक्षण कराने का कोई प्रस्ताव है;

(च) यदि हां, तो सर्वेक्षण और निर्माण कार्य शुरू होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है;

(छ) यदि नहीं, तो मां मुंडेश्वरी धाम जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल होने के बावजूद उक्त मार्ग के सर्वेक्षण या निर्माण का प्रस्ताव न करने के कारण क्या हैं;

(ज) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि गाजीपुर (उत्तर प्रदेश), बक्सर और कैमूर (बिहार) जिलों को जोड़ने वाली यह रेलवे लाइन सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क, व्यापार, रोजगार और यात्री आवाजाही को बढ़ावा दे सकती है; और

(झ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इसके अंतर-राज्यीय महत्व को देखते हुए इस परियोजना के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (झ): दिलदार नगर जंक्शन और भभुआ रोड पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क पर पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के माध्यम से जुड़े हुए हैं। भभुआ रोड रेलवे स्टेशन, माँ मुंडेश्वरी धाम से लगभग 22 किमी दूर है, जो शहर और आसपास के क्षेत्रों के लिए परिवहन केंद्र के रूप में कार्य करता है

भभुआ रोड और दिलदार नगर के बीच एक अतिरिक्त सम्पर्कता का पता लगाने के लिए भभुआ रोड-दिलदार नगर (33 किमी) नई लाइन का सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। इसका फील्ड सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के बाद, परियोजना की स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों अर्थात् नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन अपेक्षित होता है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समयसीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा किए गए मूल्यांकन और अनुमोदनों पर निर्भर करती है।

ग़ाज़ीपुर, बक्सर और भभुआ रोड (कैमूर) पहले से ही रेल नेटवर्क पर मौजूद रेलवे स्टेशन हैं, जो यात्री और माल यातायात दोनों के लिए सुव्यवस्थित सम्पर्कता प्रदान करते हैं।

बिहार

बिहार राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	10,066 करोड़ रुपए (लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में 2009-14 और 2014-25 के दौरान पूर्णतः/आंशिक रूप से नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी.
2014-25	1,899 कि.मी.	172.6 (2.5 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, बिहार में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली कुल 4,663 किमी लंबाई वाली 52 परियोजनाओं (31 नई लाइनें, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है, जिनकी लागत 86,107 करोड़ रुपए है, जिनमें से 1,250 किमी लंबाई कमीशन कर दी गई है और मार्च, 2025 तक 29,353 करोड़ रुपए का व्यय लिया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	31	2,691	516	16,814
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/ बहुपथन	20	1,904	446	11,995
कुल	52	4,663	1,014	29,353

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/ओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******